# रोजगार पैदा करने में राज्य के युवाओं में अपार क्षमता

## सीआइएमपी के इग्नाइट-2 कार्यक्रम के उद्घाटन पर बोले वित्त मंत्री विजय चौधरी

संवाददाता, पटना

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआइएमपी) में शुक्रवार को इग्नाइट-2 कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ. इसका उद्घाटन वित्त मंत्री विजय चौधरी ने किया. मौके पर उन्होंने कहा कि स्टार्टअप में नवाचार को बढ़ावा देने, रोजगार पैदा करने और आर्थिक विकास में योगदान करने की बिहार के युवाओं में अपार क्षमता है. सरकार राज्य में स्टार्टअप को फलने-फूलने के लिए आवश्यक सहायता दे रही है. एक सक्षम वातावरण भी बनाया जा रहा है.

**20 ट्रिलियन डॉलर के पार कर जायेगी देश की अर्थव्यवस्था :** अतिथियों का स्वागत सीआइएमपी के निदेशक डॉ राणा सिंह ने किया. हार्वर्ड के वरिष्ठ फेलो नवीन झा ने मुख्य भाषण दिया. उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा. वर्तमान के ग्रोथ रेट को देखते हुए अगले 15 साल में देश की अर्थव्यवस्था 20 ट्रिलियन डॉलर के पार कर जायेगी. बिहार का ग्रोथ रेट पिछले एक दशक से दो डिजिट में रहा है. यह 13 से 15 प्रतिशत के बीच रहा, तो 10 साल में राज्य की अर्थव्यवस्था हाफ ट्रिलियन (500 अरब) डालर की हो जायेगी. वर्तमान में 150 अरब डालर से कम है. जब सहयोग और ज्ञान का आदान-प्रदान होता है, तो स्टार्टअप फलते-फूलते हैं. शिक्षा जगत, उद्योग और सरकार के बीच साझेदारी को बढ़ावा देकर हम एक ऐसा तंत्र बना सकते हैं, जो नवाचार को बढ़ावा देता है और स्टार्टअप के विकास को गति देता है. सीजीएम, नाबार्ड डॉ सुनील कुमार ने वित्तीय सहायता के महत्व पर जोर दिया. जीएमयू अजमान (यूएइ) के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ विनयतोष मिश्रा, बीआइए के अध्यक्ष अरुण अग्रवाल, निफ्ट पटना के निदेशक कर्नल राहुल शर्मा ने भी संबोधित किया.

## स्टार्टअप की भूमिका पर चर्चा

मेगा इवेंट में दो पैनल डिस्कशन भी हुआ. बिहार के रणनीतिक परिवर्तन में स्टार्टअप की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा हुई. सीआइएमपी के निदेशक प्रोफेसर डॉ राणा सिंह और प्रियनाथ द्वारा संचालित चर्चा ने प्रमुख स्टार्टअप संस्थापकों को अपनी प्रेरक विकास कहानियों और अंतर्दृष्टि को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया.

Prabhat Khabar ! Page.NO-05 ! Dated:01-07-2023

# IGNITE 2.0, A mega event on Building a Robust Startup Ecosystem was organized at CIMP

OUR CORRESPONDENT

PATNA: IGNITE 2.0, a prestigious programme focused on strategic transformation of Bihar through Startups was organized by CIMP on Friday. The event was graced by Vijay Choudhary, minister of Finance, along with an illustrious panel of guests, including renowned personalities from various fields such as academia, industry, and government. The programme commenced with welcome address by Professor (Dr.) Rana Singh, Director CIMP, who welcomed chief guests as well as other dignitaries. Naveen Jha, Senior Fellow from Harvard, delivered a keynote speech and shared his valuable insights on significance of knowledge sharing and collaboration in building a strong startup ecosystem. He highlighted, "Startups thrive when there is a culture of collaboration and knowledge exchange. By fostering partnerships between academia, industry, and government, one can create an ecosystem that nurtures innovation and accelerates the growth of startups." Dr. Sunil Kumar, CGM, NABARD, emphasized importance of financial support for startups. He expressed, "Access to capital is a critical factor in success of startups. Institutions like NABARD are committed to providing financial assistance and facilitating access to credit, which will enable entrepreneurs to transform their innovative ideas into viable businesses."

Finance minister Vijay Choudhary emphasized government's commitment to fostering a thriving startup ecosystem in Bihar. He stated, "Startups hold immense potential to drive innovation, generate employment, and contribute to economic growth. The government is dedicated to providing the necessary support and creating an enabling environment for startups to flourish in the state."

Dr. Vinaytosh Mishra, Associate Professor, GMU, Ajman (UAE), stressed role of education and research in developing an entrepreneurial mindset. He stated, "Educational institutions play a pivotal role in fostering an entrepreneurial mindset among students. By integrating entrepreneurship education and encouraging research-driven innovation, we can create a pipeline of future entrepreneurs who are equipped to tackle real-world challenges."

O.P. Singh, representing Cogniphy USA, discussed significance of technology and digital transformation in startup ecosystem. He commented, "Embracing emerging technologies such as artificial intelligence, blockchain, and data analytics is crucial for startups to stay competitive in today's fast-paced digital world. Leveraging technology can drive efficiency, enhance customer experiences, and unlock new opportunities for growth."

BIA President Arun Agrawal emphasized role of industry associations in supporting startups. He stated, "Industry associations serve as crucial platforms for startups to connect with mentors, investors, and potential collaborators. By fostering networking opportunities and providing guidance, industry associations can contribute significantly to the growth of startups."

NIFT Director Colonel Rahul Sharma highlighted importance of design thinking and innovation in startup ventures.

Morning India ! Page.NO-03 ! Dated:01-07-2023

# आगामी दस वर्षों में पांच सौ अरब डालर की हो सकती है बिहार की अर्थव्यवस्था

## हार्वर्ड के वरीय फेलो ने कहा- 13 से 15 प्रतिशत ग्रोथ रेट रहा तो प्राप्त होगा लक्ष्य

जागरण संवाददाता, पटना : भारत जल्द ही पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा। वर्तमान ग्रोथ रेट को देखते हुए अगले 15 साल में देश की अर्थव्यवस्था 20 ट्रिलियन डालर पार कर जाएगी। बिहार का ग्रोथ रेट पिछले एक दशक से दो डिजिट में रहा है। यह 13 से 15 प्रतिशत के बीच रहा तो 10 साल में राज्य की अर्थव्यवस्था हाफ ट्रीलियन (500 अरब) डालर की हो जाएगी। वर्तमान में यह 150 अरब डालर से कम है। उक्त बातें शुक्रवार को हार्वर्ड के वरीय फेलो नवीन झा ने चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआइएमपी) में वार्षिक कार्यक्रम इग्नाइट 2.0 में कही।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए वित्त एवं वाणिज्यकर मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि सरकार

उद्घाटन करते वित्त एवं वाणिज्यकर मंत्री विजय कुमार चौधरी। ● जागरण

राज्य में एक संपन्न स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। स्टार्टअप में नवाचार को बढ़ावा देने, रोजगार पैदा करने और आर्थिक विकास में योगदान करने की अपार क्षमता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में महिला सशक्तीकरण के लिए चलाई जा रही योजनाओं राज्य में व्यापक प्रभाव दिख रहा है। हर घर नल जल जैसी कई योजनाओं को केंद्र सरकार ने भी बाद में अपनाया है। निदेशक प्रो. राणा सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया।

नाबार्ड सीजीएम डा. सुनील कुमार ने स्टार्टअप के लिए वित्तीय सहायता के महत्व पर बल दिया। इस अवसर पर एसोसिएट प्रोफेसर, जीएमयू, अजमान (यूएई) में एसोसिएट प्रोफेसर डा. विनयतोष मिश्रा, यूएएस से आए एंगल इंवेस्टर ओपी सिंह, बीआइए अध्यक्ष अरुण अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष केपीएस केसरी, निफ्ट पटना के निदेशक कर्नल राहुल शर्मा, दरभंगा कालेज आफ इंजीनियरिंग के प्राचार्य डा. संदीप तिवारी आदि ने विचार रखे। "बिहार का रणनीतिक परिवर्तनः स्टार्टअप की भूमिका" शीर्षक वाली प्रथम-पैनल डिस्कशन अर्थशास्त्री डा. वर्णा गांगुली ने राज्य की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर प्रकाश डालीं।

Dainik Jagran ! Page.No-09 ! Dated:01-07-2023